

20+2+7

श्री अधि. चालू है व
आज बार संघ ने कार्य नहीं करने
का निर्णय लिया है। पत्रावली
पूर्वानुसार दिनांक... 1.2-1-1.18
को पेश हो।

1701.XV III

अधिवृत्ता वादो ज्यु.
पतिवादी 20। से 6 की
तल्लो हलु सामान्य
पण्डितानुसार पण्डित
समय बाद/अद्य
तामील पाठ नही है
अतः पतिवादी का से 6
की तल्लो हलु खलवानी-
वे प्रस्ताव समन प्रवृत्त
करने की इच्छा यत की गयी
प्रस्तुत सम परभासी है।
(पत्रावली) क्रि 7.2.XV III
की पेश है

7.2.XV III

अधिवृत्ता वादो मे गिटर
आवापे की कार्य गयी
सबु. कमा. द्वारा सुलवाये
पत्रे पत्रे वाली अधि.
अ. हो. अतः पत्रावली
जस उपस्थित/अद्य
पैसा मे नसुबिड सिपाही
ह. पत्रावली दायरे वापिस
के पत्रे स. सम इफर. मिनाय
की चर्चा मे शामिल है

(यशपाल आइभा)